Postal Regn No/ RYP DN/ 34/2017-19

शहर की

जनता से रिश्ता

छत्तीसगढ़ का पहला मिड-डे अखबार

हिन्दी दैनिक

जो दिखेगा वो छपेगा

www.jantaserishta.com jantaserishta@gmail.com » पौष शुक्ल पक्ष: षष्ठी » ★ रायपुर, शनिवार 12 जनवरी 2019 » वर्ष : 06 अंक : 254 » पृष्ठ - 12 » मूल्य - 2 रुपए

सीबीआई के नए चीफ की खोज शुरू, 20 को ऐलान संभव

हटाए गए आलोक वर्मा ने नीरव मोदी और माल्या को भगाने में की थी मदद!

नई दिल्ली (ए/टीवी चैनल्स)। आलोक वर्मा को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीइआई) के निदेशक पद से हटाए जाने के एक दिन बाद कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने एजेंसी के नए निदेशक की तलाश तेज कर दी है। विभाग महानिदेशक स्तर के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 10 अधिकारियों में से अंतिम नामों में से अपनी संक्षिप्त सूची बनाने की कवायद में जुटा हुआ है। सूची में 1983, 1984 और 1985 बैच के आईपीएस अधिकारी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई निदेशक पद की दौड़ में 1985 बैच के आईपीएस अधिकारी और मुंबई पुलिस आयुक्त सुबोध कुमार जायसवाल, उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक ओ.पी. सिंह और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के प्रमुख वाई.सी. मोदी आगे चल रहे हैं। 20 जनवरी तक नए सीबीआई चीफ के नाम का ऐलान किया जा सकता है। वहीं हटाए जा चुके और इस्तीफा दे चुके आलोक वर्मा की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो के पूर्व निदेशक आलोक वर्मा की मुसीबतें फिलहाल कम होती नजर नहीं आ रही हैं, क्योंकि केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने उन पर 6 और आरोपों की जांच शुरू कर दी है। इसमें बैंक घोटालों के आरोपी नीरव मोदी, विजय माल्या और एयरसेल के पूर्व प्रमोटर सी शिवशंकरन के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर के आंतरिक ईमेल को लीक करने का आरोप भी शामिल है। नए आरोपों के बारे में सीवीसी ने सरकार को सूचित किया है, जिसके बारे में पिछले साल 12 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के सामने वर्मा की जांच रिपोर्ट दाखिल करने के बाद भ्रष्टाचार निरोधक टीम द्वारा शिकायतें प्राप्त हुई थीं। वर्मा के खिलाफ उनके ही पूर्व नंबर दो विशेष निदेशक राकेश अस्थाना द्वारा लगाए गए 10 आरोपों की जांच के आधार पर रिपोर्ट में कहा गया था कि वर्मा से पूछताछ की जानी चाहिए।

सीवीसी के एक सूत्र ने कहा कि सीबीआई को 26 दिसंबर को एक पत्र के माध्यम से कहा गया है कि वह इन मामलों से संबंधित

सभी दस्तावेज और फाइलें उपलब्ध कराए, ताकि जांच को तार्किक रूप से पूरा किया जा सके। इसके बाद एजेंसी ने बुधवार को माल्या से संबंधित मामलों के सभी दस्तावेजों का उपलब्ध कराया। बता दें कि नीरव मोदी और माल्या फिलहाल फरार हैं।

वर्मा पर आरोप है कि उन्होंने नीरव मोदी मामले में सीबीआई के कुछ आंतरिक ईमेलों के लीक होने पर आरोपी को ढूंढने की बजाय वह मामले को छिपाने की कोशिश करते रहे। जबकि उस वक्त बैंक धोखाधड़ी मामलों में से एक पीएनबी घोटाले की जांच अपने चरम पर थी। गौरतलब है कि एजेंसी ने जून 2018 में तत्कालीन संयुक्त निदेशक राजीव सिंह (जो नीरव मोदी की जांच कर रहे थे) के कमरे को बंद कर दिया था और यहां तक कि डेटा प्राप्त करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी) को भी बुलाया था। हालांकि, एजेंसी के इस कदम की वजह कभी नहीं बताई गई।

अन्य प्रमुख आरोपों की बात करें तो उन पर एयरसेल के पूर्व मालिक सी शिवशंकरन के खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर को कमजोर करने का आरोप है, जिससे इस 600 करोड़ रुपये के आईडीबीआई बैंक ऋण धोखाधड़ी में प्रमुख आरोपी को भारत छोड़ने की अनुमति मिली। यह जानकारी मिली है कि संयुक्त निदेशक रैंक के अधिकारी ने शिवशंकरन से अपने दफ्तर और पांच सितारा होटेल में मुलाकात की। यह मुलाकात के सेवा नियमों और सीबीआई की आंतरिक प्रक्रियाओं के विपरीत थी। दिलचस्प बात यह है कि शिवशंकरन ने आईपीएस अधिकारी से मिलने के लिए फर्जी पहचान का सहारा लिया। इसके थोड़ी देर बाद उद्यमी के खिलाफ जारी हुए लुकआउट सर्कुलर को कमजोर कर दिया गया।

वर्मा के खिलाफ एक और गंभीर आरोप अक्टूबर, 2015 में जारी पूर्व शराब व्यापारी विजय माल्या के लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) को कमजोर करने से संबंधित है। माल्या पर 900 करोड़ रुपये के आईडीबीआई बैंक धोखाधड़ी के आरोप थे, जिसमें हाल ही में ब्रिटेन की एक अदालत ने उनके प्रत्यर्पण का आदेश दिया था। एलओसी जारी होने के एक महीने के भीतर, वर्मा के करीबी माने जाने वाले सीबीआई के संयुक्त निदेशक एके शर्मा ने आव्रजन अधिकारियों को पत्र लिखकर हिरासत के बजाय केवल सूचित करने की मांग की। इससे माल्या को देश से भागने में मदद मिली। वर्मा की ईमानदारी पर सवाल उठाते हुए तीन अन्य आरोप सीबीआई की लखनऊ शाखा में तैनात अडिशनल एसपी सुधांशु खरे ने लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्मा ने उत्तर प्रदेश एटीएस के अडिशनल एसपी राजेश साहनी की आत्महत्या की जांच से इनकार कर दिया, जो ऑफिस में गोली लगने से मृत पाए गए थे। खरे ने कहा था कि वर्मा ने यह सब यूपी के कुछ पुलिस अधिकारियों को बचाने के लिए किया। इस मामले में योगी सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश की थी, लेकिन एजेंसी ने कभी इस मामले को जांचने में रुचि नहीं दिखाई।

खरे ने वर्मा पर राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन घोटाले के आरोपी को भी बचाने का आरोप लगाया था। यही नहीं, एसबीआई बैंक फ्रॉड मामले में रंजीत सिंह और अभिषेक सिंह आरोपी थे, लेकिन उन दोनों को भी बचाया गया।

माया-अखिलेश की साझा प्रेसवार्ता

यूपी में आज सपा-बसपा गठबंधन का ऐलान संभव

लखनऊ (ए.)। लोकसभा चुनाव 2019 के औपचारिक शंखनाद से पहले ही सभी पार्टियों ने अघोषित तौर पर चुनावी बिगुल फूंक दिया है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अब उत्तर प्रदेश की सियासत में हलचल तेज हो गई है और सभी राजनीतिक की बिसात पर अपना दांव चलने की तैयारी कर रहे हैं। यूपी में सियासी बाजी अपने नाम करने के लिए मायावती और अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के महागठबंधन की कवायदों को जोरदार झटका दिया है और यूपी में बसपा-सपा गठबंधन का अनौपचारिक ऐलान कर दिया है। दरअसल, आज लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश और बसपा प्रमुख मायावती ताज होटल में साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और सपा-बसपा गठबंधन को लेकर औपचारिक ऐलान भी। हालांकि, इससे पहले ही यूपी में महागठबंधन में सीटों को लेकर सहयोगियों में खींचतान की बात सामने आई है। सपा-बसपा ने भले ही राष्ट्रीय लोकदल को अपने साथ ले लिया हो, मगर आरएलडी सीटों के बंटवारे से नाखुश है। आरएलडी प्रमुख अजित सिंह ने कहा है कि उनकी पार्टी सपा-बसपा महागठबंधन का हिस्सा है, मगर अभी तक सीटों पर बात नहीं हुई है। अजित सिंह ने कहा कि कांग्रेस को लेकर सपा और बसपा फैसला करेगी कि उसे लोकसभा चुनाव के मद्देनदर गठबंधन में रखना है या नहीं।

बसपा 38, सपा 37 सीटों पर लड़ेगी चुनाव : सूत्रों के मुताबिक, बसपा 38, सपा 37, आरएलडी 3 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सपा अपने कोटे से निषाद पार्टी और पीस पार्टी को एक-एक सीट देगी। निषाद पार्टी गोरखपुर की सीट से चुनाव लड़ेगी और पीस पार्टी को खलीलाबाद लोकसभा सीट दिया जाएगा। इसके अलावा महागठबंधन की ओर से दो सीटों रायबरेली और अमेठी पर प्रत्याशी नहीं उतारा जाएगा। अगर ओम प्रकाश राजभर एनडीए छोड़कर आते हैं तो सपा उन्हें भी अपने कोटे से दो सीट देगी।

बीजेपी-शिवसेना में बन गई बात, मिलकर लड़ेंगे?

मुंबई (ए।)। लोकसभा चुनाव में कुछ ही महीने बाकी हैं। महाराष्ट्र में बीजेपी अपने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में अपनी सहयोगी पार्टी शिवसेना के साथ घेराबंदी में जुट गई है। इसकी शुरुआत सीट शेयरिंग के मुद्दे से होगी। माना जा रहा है कि फडणवीस और सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं और यह बातचीत 23 जनवरी को अंतिम रूप ले सकती है। बता दें कि 23 जनवरी को पीएम मोदी और ठाकरे मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे के शिलान्याय के मौके पर मंच साझा करेंगे। यह एक्सप्रेसवे पूर्व शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे की याद में बनाया जा रहा है। नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी का दावा है कि उद्धव ठाकरे ने सीएम देवेंद्र फडणवीस के साथ गुप्त रूप से मुलाकात की है। हालांकि इस दावे की बीजेपी की तरफ से पुष्टि नहीं हो पाई है। इसके अलावा सीएम फडणवीस की पीएम मोदी और बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह के साथ मुलाकात के बाद कई तरह की खबरों को हवा मिल गई है, इसके कुछ घंटे बाद ही पीएम मोदी के सेलापुर में कार्यक्रम में फडणवीस के साथ पहुंचने का प्लान बना। फडणवीस ने दिल्ली में रिपोर्टरों को बताया कि वह बेस्ट बसों की हड़ताल को लेकर ठाकरे से मिले थे, लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह मुलाकात बेस्ट हड़ताल से कहीं ज्यादा है।

सामान्य वर्ग के 10 फीसद आरक्षण पर आज लग सकती है राष्ट्रपति की भी मुहर

नई दिल्ली (ए.)। आर्थिक रुप से पिछड़े लोगों 10 फीसद आरक्षण देने के विधेयक को लेकर सरकार बिल्कुल भी देरी के मूड में नहीं है। वजह शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश की अगले महीने से शुरु होने वाली प्रक्रिया है। इससे पहले ही वह इससे जुड़ी सारी औपचारिकताओं को पूरा कर लेना चाहती है, ताकि इस वर्ग को इसका लाभ इसी सत्र से दिया जा सके। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि विधेयक पर राज्यसभा सभापति के हस्ताक्षर के लिए उसे नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) भेजा गया, जहां वह इन दिनों मौजूद है। बताते हैं कि सुबह तक वह दस्तावेज दिल्ली पहुंच जाएगा और फिर राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। विधेयक लोकसभा से पारित होने के बाद राज्यसभा से पारित हो गया था लेकिन चूंकि सभापति वेंकैया नायडू दिल्ली में नहीं थे इस कारण उनका हस्ताक्षर नहीं हो पाया था। इसके चलते विधेयक को एक विशेष संदेशवाहक के जरिए उसे नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) भेजा गया। उपराष्ट्रपति इन दिनों अपने परिवार के किसी सदस्य के निधन के बाद गए यहां आए हुए है।

हॉट न्यूज टुडे

जे-के: राजौरी जिले में धमाका, सेना का मेजर और एक जवान शहीद

श्रीनगर (ए.)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा में शुक्रवार को हुए IED धमाके में सेना का एक अधिकारी और एक जवान शहीद हो गए। इसके अलावा एक जूनियर कमीशंड अधिकारी और एक जवान के घायल होने की सूचना है। सूत्रों ने इस घटना की जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक यह धमाका राजौरी जिले से सटे LoC पर पुखेरनी इलाके के रूपमती चौकी के नजदीक हुआ। अधिकारियों ने बताया, संदिग्ध आतंकवादियों ने राजौरी जिले के लाम सेक्टर में सीमा पर गश्त कर रहे सैनिकों को निशाना बनाकर नियंत्रण रेखा से लगे मार्ग में IED लगा रखा था। उन्होंने कहा कि धमाके में एक जेसीओ समेत 2 जवान घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना की ओर से होने वाले आईईडी धमाकों और हमलों को लेकर सैनिकों को अलर्ट कर दिया गया है। इसके अलावा शुक्रवार को आतंकियों ने श्रीनगर के लाल चौक में पलाडियम सिनेमा के नजदीक CRPF (132 Bn) बंकर पर ग्रेनेड से हमला कर दिया। इस वारदात को अंजाम देने वाले आतंकियों की पहचान की जा रही है। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

Accidental PM पर इंदौर-जबलपुर में हंगामा

नई दिल्ली (ए.)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सलाहकार संजय बारु द्वारा लिखी किताब पर बनाई गई फिल्म द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर शुक्रवार को रिलीज हुई। इस फिल्म के रिलीज होने के दौरान इंदौर व जबलपुर में काफी हंगामा हुआ, वहीं ग्वालियर में भारी सुरक्षा के बीच फिल्म का प्रदर्शन हुआ। कोलकाता और लुधियाना में भी मल्टीप्लेक्स में फिल्म की स्क्रीनिंग रोकनी पड़ी। इंदौर में इस फिल्म को मल्हार मेगा मॉल में देखने बड़ी संख्या में भाजयुमों के कार्यकर्ता पहुंचे। जहां पुलिस और भाजयुमो कार्यकर्ताओं के बीच बहस हुई। आखिरकार कई कार्यकर्ताओं को फिल्म देखने जाने दिया गया। इसी तरह ग्वालियर में भी सुरक्षा के बीच फिल्म रिलीज हुई। इस फिल्म को देखने लोग पहुंचे। पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि किसी तरह का विवाद न हो। जबलपुर के समदड़िया मॉल में भी फिल्म प्रदर्शन को लेकर हंगामा हुआ।

दुबई में राहुल गांधी बोले...

साढ़े चार साल से भारत में असहिष्णुता

दुबई (ए.)। संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर गए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत में असहिष्णुता का जिक्र कर बीजेपी पर निशाना साधा। शुक्रवार को भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा, UAE और भारत के लोगों को साथ लानेवाले मूल्य विनम्रता और सहिष्णुता हैं। विभिन्न विचारों, धर्मों और समुदायों के लिए सहिष्णुता। मुझे यह कहते हुए दुख होता है कि घर पर (भारत) साढ़े चार वर्षों से असहिष्णुता है।

भारत की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी : उन्होंने कहा कि एक सबसे बड़ी समस्या जिसका सामना आज हम भारत में कर रहे हैं, वह बेरोजगारी है। उन्होंने कहा कि हमें बाकी दुनिया को यह दिखाने की जरूरत है कि हम न केवल बेरोजगारी दूर कर सकते हैं बल्कि चीन को भी चुनौती दे सकते हैं। गौर करने वाली बात यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का कार्यक्रम पीएम मोदी के विदेश दौरों के समय होने वाले कार्यक्रमों की तरह ही भव्य तरीके से आयोजित किया गया था।

एक आइडिया ही सही, यह ठीक नहीं : यहां राहुल ने कहा, हम भारत जैसे देश को यह मानते हुए आगे नहीं बढ़ा सकते कि केवल एक आइडिया ही सही है और बाकी सभी गलत हैं। आज हमारे प्यारे देश भारत को राजनीतिक कारणों से बांटने की कोशिशें हो रही हैं।

UAE के शासक का उदाहरण देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि एक नेता जो सुनता है, जो तारीफ करता है, न केवल अपने देश के लोगों की बल्कि उन लोगों की भी जो दूर देश से उनके देश को बनाने आए हैं। उन्होंने कहा कि UAE में इस साल सहिष्णुता का साल मनाया जा रहा है जबकि मुझे यह कहते दुख होता है कि भारत में 4.5 वर्षों से असहिष्णुता है।

हम बीजेपी मुक्त भारत नहीं चाहते : 2019 का लोकसभा चुनाव नजदीक है और ऐसे में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कुछ लोग कहते थे कि वे कांग्रेस मुक्त भारत चाहते हैं लेकिन मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि हम बीजेपी मुक्त भारत नहीं चाहते हैं। मैं पहले भारतीय हूं बाकी सब बाद में। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने भा माना है कि चीन और भारत दो देश ही US को चुनौती दे सकते हैं।

हमारे DNA में है अहिंसा : कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उस भारत में आप भी शामिल हैं। आप जब भारत से आए तो आपके दिल में भारत बसता है। अगर आप मुश्किल में हैं तो भारत कभी सफल और खुशहाल नहीं हो सकता है। सहिष्णुता में भाईचारा और सभी धर्मों को साथ लेकर चलने की बात होती है। हिंसा के माहौल को आप अमेरिका, यूरोप में देखते हैं जबकि हमारे DNA में अहिंसा है। महात्मा गांधी ने अहिंसा का सिद्धांत सभी धर्मों से लिया था।

आंध्र प्रदेश को लेकर ऐलान : आंध्र प्रदेश को लेकर एक सवाल के जवाब में राहुल ने दोहराया कि जिस पल हम आम चुनाव जीतेंगे, आंध्र प्रदेश को फौरन विशेष राज्य का दर्जा दिया जाएगा।

महत्वपूर्ण खबरें

कांग्रेस में बीजेपी से अकेले लड़ने की ताकत नहीं: एके एंटनी

तिरुवनंतपुरम (ए.)। एक ओर तीन बड़े राज्यों में विधानसभा चुनावों में जीत के बाद कांग्रेस नेतृत्व का जोश चरम पर है और वह लोकसभा चुनाव में अकेले दम पर सरकार बनाने की उम्मीद लगाए बैठी है, वहीं दूसरी ओर पार्टी के वरिष्ठ नेता की राय कुछ जुदा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी ने कहा है कि कांग्रेस में बीजेपी से अकेले मुकाबला करने की ताकत नहीं है।

केरल के तिरुवनंतपुरम में प्रदेश कांग्रेस कमिटी की आमसभा को संबोधित करते हुए एंटनी ने कहा, कांग्रेस अपने अकेले दम पर नरेंद्र मोदी को सत्ता से नहीं हटा सकती। हालांकि लोकसभा चुनाव में मोदी के खिलाफ कांग्रेस बड़ा चेहरा होगी। इसलिए कांग्रेस बीजेपी को हराने के लिए एक बड़े गठबंधन की तलाश कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में राहुल गांधी एक मजबूत नेता के तौर पर उभरे हैं। उन्होंने कहा, इसीलिए मोदी राहुल से डरते हैं। एके एंटनी ने इस साल होने वाले लोकसभा चुनावों को कुरुक्षेत्र की लड़ाई की तरह बताया है। उन्होंने कहा कि देश को बचाने के लिए सांप्रदायिक शक्तियों को हराना होगा।

उत्तर प्रदेश में अकेले ही लड़ना पड़ सकता है लोकसभा चुनाव : बता दें कि लोकसभा चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को एसपी-बीएसपी ने गठबंधन में जगह नहीं दी है। शनिवार को अखिलेश और मायावती की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए भी कांग्रेस को न्योता नहीं भेजा गया है। यहां अब कांग्रेस के सामने आरएलडी और अन्य छोटे दलों से गठबंधन करने का या फिर अकेले चुनाव मैदान में उतरने का ही रास्ता बचा है।

पीएम मोदी बैल, सीएम योगी बछड़ा और स्मृति ईरानी गाय: अजित सिंह

मथुरा (ए.)। राजनीतिज्ञों द्वारा अपने भाषणों में विपक्षी दलों पर कीचड़ उछालने और अशोभनीय टिप्पणियां करने के मामले में राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष अजित सिंह ने सीमाएं लांघ डालीं। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को बैल, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को बछड़ा और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को गाय कहा। बीजेपी ने अजित सिंह के इस बयान की तीखी आलोचना की और माफी मांगने की मांग की। मथुरा में गुरुवार को एक कार्यक्रम में रालोद (आरएलडी) के अध्यक्ष अजित सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी के लिए बैल, बछड़ा और गाय जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। इस पर विवाद खड़ा हो गया है। बीजेपी के एक नेता ने सिंह के बयान को अशोभनीय बताते हुए आरएलडी अध्यक्ष से माफी मांगने को कहा। अजित सिंह ने कोसीकलां कस्बे में 'किसानों से संवाद कार्यक्रम में कहा कि प्रजातंत्र की बहुत बड़ी खूबी है कि यदि देश को कोई गलत प्रधानमंत्री मिल जाए तो पांच साल में उसकी छुट्टी करने का अधिकार आपके पास है। उन्होंने कहा, ''मैं आजकल अखबारों में पढ़ रहा हूं कि आजकल आपके गाय-बैल-बछड़े खूब घूम रहे हैं। इन्हें आप लोग स्कूल-कॉलेजों में बंद कर रहे हो। जिन्हें लोग कहते हैं कि ये मोदी-योगी घूम रहे हैं, सच है क्या। सिंह ने कहा, ''कुछ लोग तो यह भी कहते हैं कि हट्टी-कट्टी गाय आ गई।

ब्रेकिंग न्यूज

- अमेरिका: डेमोक्रेटिक नेता तुलसी गाबार्ड का ऐलान- 2020 में लड़ेंगी प्रेसिडेंट चुनाव
- मायावती-अखिलेश की कान्फ्रेंस से पहले लगे पोस्टर, लिखा- भाजपा का झूठ बोलता है

ताजा खबर

- बैंकर से नेता बनीं मीरा सान्याल हारीं केंसर से जंग, मुंबई में निधन
- किसानों की कर्जमाफी वाले फॉर्म पर कमलनाथ की फोटो, बीजेपी की आपत्ति
- स्वामी विवेकानंद की जयंती आज, नेशनल यूथ डे के तौर पर मनाया जाएगा